हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 188 देहरादून, शनिवार, 14 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

बनेगा नकल विरोधी कानून तोड़ने वाले को मिलेगी उम्र कैद, कैबिनेट में फैसला 5

जोशीमठ : सभी कैबिनेट मंत्री एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 जनवरी। जोशीमठ भू-धंसाव के संबंध में मंत्रीमंडल की बैठक आयोजित की गई। मंत्रीमण्डल की बैठक के बाद मुख्य सचिव डॉ. एस एस संधु एवं सचिव अपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा ने मंत्रीमण्डल के निर्णयों की बिंदुवार जानकारी दी।

1- जोशीमठ के आपदा प्रभावित भू-भवन स्वामियों / व्यक्तियों को स्थायी अध्यासन / विस्थापन नीति निर्धारित होने से पूर्व अग्रिम धनराशि ₹ 1 लाख (जिसका समायोजन किया जायेगा) तथा सामान की ढुलाई एवं तात्कालिक आवश्यकताओं हेतु गैर समायोज्य धनराशि ₹ 50 हजार अर्थात कुल 1.5 लाख आवंटित किये जाने हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से ₹ 45 करोड़ की धनराशि पत्र दिनांक 11.01.2023 के द्वारा अवमुक्त की गयी है। उक्त के सम्बन्ध में मा० मंत्रीमंडल द्वारा कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया गया।

2- जिला प्रशासन द्वारा चयनित भू-खण्डों (कोटी फार्म, पीपलकोटी, गोचर, ग्राम - गौख सेलंग, ग्राम - ढाक) के क्षेत्रीय सर्वेक्षण के उपरांत जोशीमठ के आपदा प्रभातियों के लघु कालिक पुर्नवास हेतु चयनित भू-खण्डों पर सर्वे के उपरान्त प्री-फेर्बीकेटेड स्ट्रक्चर्स का निर्माण किये जाने पर सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गयी है। मंत्रिमण्डल द्वारा यह निर्देश भी दिये गये कि जोशीमठ के आपदा प्रभावित परिवारों / व्यक्तियों के मध्य सर्वे कराते हुए भवन दिये जाने अथवा पैकेज के रूप में धनराशि दिये जाने का निर्णय लिया जायेगा ।

3- शासनादेश सं0 763, दिनांक 02.09.2020 के द्वारा आपदा प्रभावित ऐसे व्यक्ति, जो कि किराये के मकान पर निवास करते है, उनको किराये के रूप में अधिकतम 6 माह के लिये प्रतिमाह ₹ 4000 की धनराशि मा० मुख्यमंत्री राहत कोष से दिये जाने की व्यवस्था है। जोशीमठ के आपदा प्रभावित व्यक्तियों हेतु उक्त किराये की धनराशि ₹ 4,000 प्रतिमाह से बढाकर ₹ 5,000 प्रतिमाह किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया। उक्त के साथ ही जिलाधिकारी, चमोली की रिपोर्ट के आधार पर यदि उक्त किराये में और अधिक वृद्धि किये जाने की आवश्यकता होती है, तो इस सम्बन्ध में निर्णय लिये जाने हेतु मा0 मुख्यमंत्री की जी को अधिकृत किया गया ।

4- भू-धंसाव / भू-स्खलन प्रभावित परिवारों को होटल / आवासीय ईकाईयों में राहत कैम्प के रूप में अधिवास करवाये जाने हेतु एस०डी०आर०एफ० के मानकों के अनुसार वास्तवित व्यय अथवा ₹950 प्रतिदिन प्रतिकक्ष, जो भी कम हो, उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त के साथ ही राहत कैम्प की अवधि के दौरान प्रति व्यक्ति हेतु भोजन के लिये प्रतिदिन ₹ 450 उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। यदि कोई व्यक्ति राहत कैम्प में भोजन करने का इच्छुक नही है, तो ऐसे व्यक्ति को भोजन हेतु प्रतिदिन ₹ 450 धनराशि उपलब्ध करायी जायेगी। एस०डी०आर०एफ० के मानकों के अनुसार पशुओं के प्रतिस्थापन हेतु ₹15 हज़ार दिए जाएँगे, इसके अतिरिक्त बड़े पशुओं के चारे के लिये ₹ 80/- प्रतिदिन तथा छोटे पशुओं के चारे के लिये ₹ 45/- प्रति दिन की धनराशि सम्बन्धित व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जाएगी ।

5- जोशीमठ नगर क्षेत्र के भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण तथा जल निकासी योजना इत्यादि कार्यों हेतु सिंचाई विभाग के स्तर पर शोर्टलिस्ट संस्थाओं में से M/S WAPCOS Limited Gurugram को टो-इरोजन तथा भू - धसाव / भू-स्खलन से सम्वन्धित कार्य ई०पी०सी० मोड में कराये जाने हेतु एकल स्रोत के सम्बन्ध में कराये जाने हेतु यह निर्णय लिया गया कि सिंचाई विभाग एवं वैपकोस में से जो भी शीघ्र डी०पी०आर० तैयार करते हुए कार्य प्रारम्भ कर सकता है, उसके सम्बन्ध में निर्णय लिये जाने हेतु मा० मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया गया है।

6- भू-धंसाव / भू-स्खलन से प्रभावित भू-भवन स्वामियों का एक जनपद स्तरीय समिति के माध्यम से क्षति आंकलन का सर्वे कराते हुए, उसके उपरान्त उनकी भूमि तथा निर्मित भवन हेतु सहायता राशि उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में मा0 मंत्रिमण्डल द्वारा एक सप्ताह के अन्दर पैकेज तैयार कर भारत सरकार को प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये।

7- जोशीमठ की आपदा के दृष्टिगत भारत सरकार से राहत पैकेज के रूप में धनराशि प्राप्त होने तक राज्य सरकार के संसाधनों से अल्प कालिक एवं मध्य कालिक किये जाने वाले विभिन्न कार्यों पर धनराशि का व्यय किया जाना प्रस्तावित है, जिसका समायोजन भारत सरकार से राहत पैकेज के रूप में धनराशि प्राप्त होने पर कर लिया जायेगा।

8- भारत सरकार के पत्र दिनांक 10.10.2022 के द्वारा निर्गत एस०डी०आर०एफ० के नवीन मानकों में यह व्यवस्था की गयी है कि ऐसे परिवार जिनकी आजीविका का साधन आपदा के कारण प्रभावित हुआ है, उनके परिवार के दो व्यस्क सदस्यों को मनरेगा के अन्तर्गत निर्धारित मजूदरी की दरों के अनुसार अनुग्राहिक राहत प्रदान की जायेगी। जोशीमठ की आपदा को दृष्टिगत रखते हुये राहत शिविर में निवास कर रहे व्यक्तियों को एस०डी०आर०एफ० के मानकों से सम्बन्धित भारत सरकार के पत्र दिनांक 10.10.2022 के साथ संलग्न सूची के कमांक संख्या - 01 (ड) को लागू करते हुये राहत शिविर में निवास करने की अवधि तक के लिये, मनरेगा में निर्धारित दरों के अनुसार अनुग्राहिक राहत राशि प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में मा0 मंत्रिमण्डल का अनुमोदन प्राप्त किया जाना प्रस्तावित है।

इसके अतिरिक्त कैबिनेट द्वार 4 अन्य विषयों पर भी सहमति दी गई है।

1- माह नवम्बर, 2022 से आगामी छः माह तक के लिये जोशीमठ के आपदा प्रभावित परिवारों / व्यक्तियों के बिजली एवं पानी के विद्युत बिल माफ किये जाने का निर्णय लिया गया ।2- जोशीमठ के आपदा प्रभावित व्यक्तियों के बैंक इत्यादि से लिये गये ऋण की वसूली को एक साल के स्थगित किये जाने के सम्बन्ध में यह निर्देश दिये गये कि सहकारी बैंकों की ऋण वसूली तत्काल प्रभाव से स्थगित की जाय तथा अन्य कमर्शियल बैंक के स्तर से भी ऋण वसूली स्थगित किये जाने का अनुरोध भारत सरकार से किया जाए। 3- उत्तराखण्ड राज्य के सभी पर्वतीय शहरों की धारण क्षमता का अध्ययन किये जाने का निर्णय लिया गया है। 4- जोशीमठ की आपदा से सम्बन्धित विभिन्न प्रस्तावों पर शीघ्रता से निर्णय लिये जाने के उद्देश्य से मा0 मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया गया ।5- जोशीमठ भू धंसाव प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए उत्तराखण्ड के सभी कैबिनेट मंत्री अपने एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे।

लोहड़ी दी लख लख बधाई : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 13 जनवरी। , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को मकर संक्राति पर्व की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने इस पर्व पर सभी प्रदेशवासियों के लिए सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की है। उन्होंने कहा कि यह त्यौहार जीवन में सकारात्मक सोच के साथ सदैव कर्म के पथ पर आगे बढ़ने की भी प्रेरणा देता है। यह पावन पर्व माँगलिक कार्यों के शुभारम्भ से भी जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि भगवान सूर्य की आराधना का यह पर्व हम सबके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे।

आई०जी० गढ़वाल करन सिंह नगन्याल ने किया जोशीमठ का दौरा, दिये निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ , 13 जनवरी , पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल द्वारा कोतवाली जोशीमठ में जोशीमठ क्षेत्र में हो रहे भू धँसाव के दृष्टिगत लगे फ़ोर्स जिला पुलिस, ए स डी आ र ए फ , एनडीआरएफ,आईआरबी के जवानों को ब्रीफ* करते हुए कई निर्देश दिए है - पुलिसकर्मियों को अपनी ड्यूटी का निर्वहन पूर्ण मनोयोग एवं अनुशासन व सतर्कता पूर्वक करने हेतु निर्देशित किया।

यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि बैरियर या अन्य ड्यूटियों में हर पुलिस कर्मी द्वारा जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व मित्रतापूर्ण व्यवहार किया जाए।

ड्यूटी के दौरान मादक पदार्थ का सेवन न करने की हिदायत दी गई। ध्वस्तीकरण कार्यवाही के दौरान स्वयं सावधानी बरतने व जनता को प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर रखने हेतु निर्देशित किया। किसी भी प्रकार की आपदा के दृष्टिगत तैयारी हालत में रहने व पुलिस बल को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए।

महिलाओं से ज्यादा तेजी से बूढ़े होते हैं पुरुष, ये है रिसर्च का दावा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , कहते हैं कि किशोरावस्था में लड़कियों का विकास लड़कों के मुकाबले तेजी से होता है। वहीं एक रिसर्च में दावा किया गया है किशोरावस्था के बाद युवावस्था में चीजें इसके उलट हो जाती हैं। यानी 20 से लेकर 50 साल की उम्र तक पुरुषों में महिलाओं के मुकाबले तेजी से बदलाव होते हैं और वे महिलाओं के मुकाबले अपनी उम्र से कई वर्ष ज्यादा के नजर आने लगते हैं। आइये जानें इस अनोखी रिसर्च के बारे में...

फिनलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यावास्काईलाकी रिसर्च के मुताबिक पुरुष जैविक तौर पर महिलाओं से ज्यादा बूढ़े होते हैं। यानी उनकी जैविक उम्र महिलाओं से ज्यादा होती है भले ही दोनों एक ही उम्र के हों। वैज्ञानिकों ने कहा कि जिस तरह महिला-पुरुष के शरीर में कई अंतर होते हैं, ठीक उसी प्रकार उनकी अंदरूनी उम्र में भी अंतर होता है।

महिलाओं से 4 साल ज्यादा होती है जैविक उम्र

विशेषज्ञों ने एक उदाहरण देते हुए दावा किया कि भले ही एक महिला व पुरुष 50 वर्ष के हों पर दोनों में से पुरुष ज्यादा

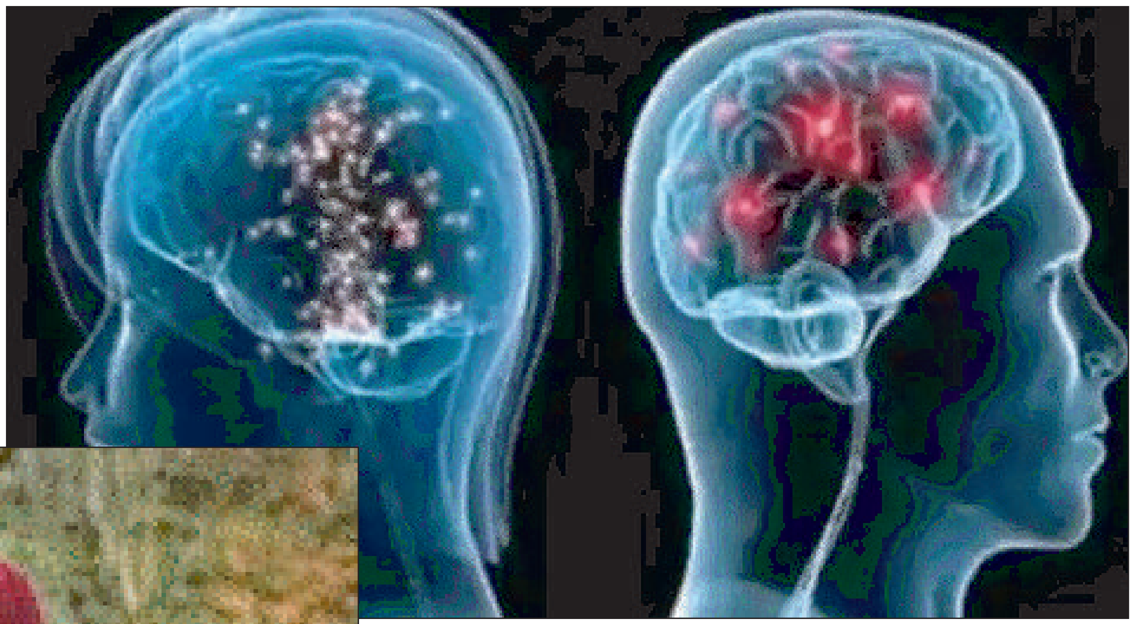

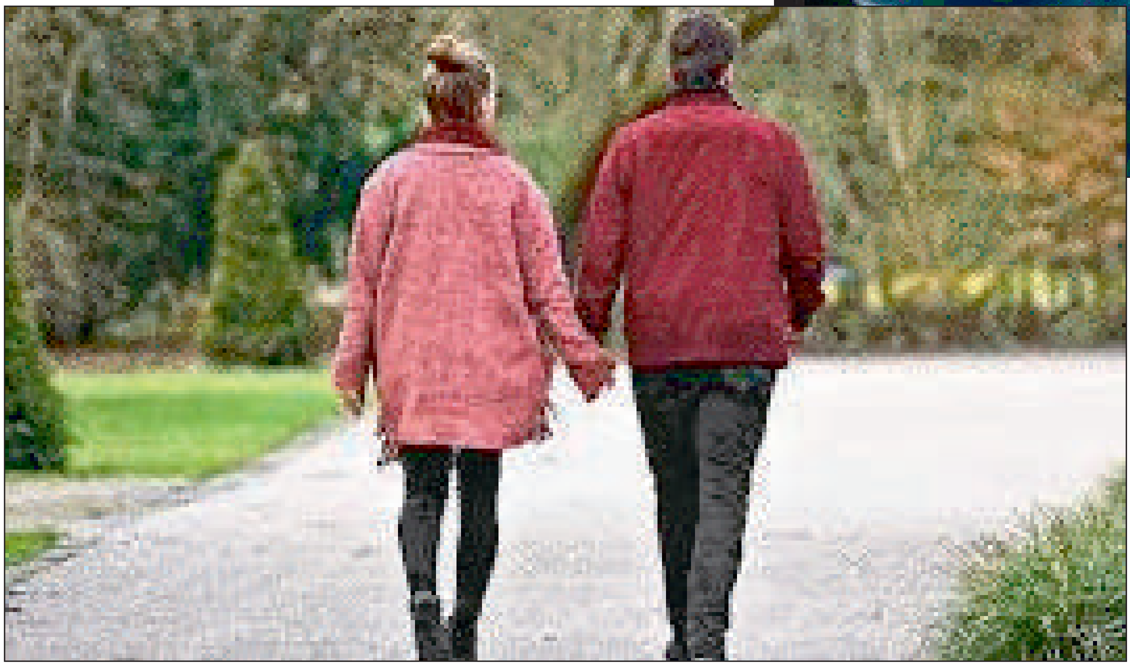

उम्रदराज दिखेगा। वैज्ञानिकों ने आगे कहा कि पुरुषों की जैविक उम्र महिलाओं से लगभग 4 साल ज्यादा होती है। ऐसे में अगर दोनों 50 वर्ष के हैं तो पुरुष 54 का नजर आएगा। शोध के मुताबिक इसके कई अन्य कारण भी हैं, जैसे शरीर की बनावट, ज्यादा तनाव लेने की क्षमता, धूम्रपान करना आदि।

वैज्ञानिकों ने बताया कि लिंग के आधार पर बढ़ती उम्र पर रिसर्च करने के लिए उन्होंने एपीजेनेटिक्स क्लॉक का इस्तेमाल किया। इस तकनीक की मदद से किसी भी व्यक्ति के खून से डीएनए लेकर उसकी जैविक उम्र पता लगाई जा सकती है। नमूने लेने के बाद इसका एल्गोरिदम बताता है कि एक निश्चित उम्र में उस व्यक्ति की जैविक उम्र क्या है और वह कितनी उम्र का नजर आ रहा है।

इस उम्र से दिखाई देने लगता है अंतर

जेरोन्टोलॉजी रिसर्च सेंटर एंड द फैकल्टी ऑफ स्पोर्ट एंड हेल्थ साइंसेस की रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं और पुरुषों की उम्र में ये अंतर 20 वर्ष की उम्र से ही दिखाई देने लगता है। यानी 20 वर्ष का एक युवक अपनी उम्र से कुछ ज्यादा का नजर आने लगता है लेकिन युवतियों के साथ ऐसा नहीं होता। इसमें सबसे हैरान करने वाली बात तो ये है कि उम्र का अंतर जुड़वा भाई बहनों पर भी नजर आता है। इसमें जुड़वा भाई एक उम्र के बाद अपनी बहन से ज्यादा उम्र का नजर आने लगता है।

दिमाग को तेज करने के लिए अपनाये ये 3 हिट एक्टिविटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , किसी भी व्यक्ति का दिमाग उसके पूरे शरीर को चलाने का काम करता है। आपके दिमाग के कारण ही आपकी बॉडी कंट्रोल में रहती है। जिस तरह लोग हेल्दी रहने के लिए एक्सरसाइज करते हैं, ठीक उसी तरह ब्रेन को भी हेल्दी रखने के लिए दिमाग की एक्सरसाइज करना जरूरी होता है। फिजिकल हेल्थ के साथ लोगों को अपने मेंटल हेल्थ का भी ख्याल रखना चाहिए। लेकिन आज कल बढ़ते तनाव के कारण लोग कई चीजें जल्दी भूलने लगते हैं। उनकी सोचने समझने की क्षमता कमजोर होने लगी है। ऐसे में महत्वपूर्ण है कि आपका दिमाग एक्टिव मोड में रहकर अच्छे से काम कर सकें। तो आइए जानते है अपने दिमाग को शार्प रखने के लिए आप किन एक्टिविटी को अपनी डेली लाइफ में शामिल कर सकते हैं।

1. माइंड गेम खेलना

बचपन में अक्सर हमारे पेरेंट्स हमारे दिमाग को तेज करने और सही से काम कराने के लिए ऐसे माइंड गेम्स लेकर देते थे, जिन्हें खेलने से हमारा माइंड एक्टिव रहता है। इस तरह के पजल गेम्स आपके दिमाग को भी तेज करने का काम करती हैं। मार्केट में ऐसी बहुत सी गेम्स मिलती हैं, जिन्हें आप अपने मनोरंजन के साथ दिमाग को तेज करने के लिए भी खेल सकते हैं। क्रॉसवर्ड पजल्स आपके दिमाग के लिए एक बेहतर एक्सरसाइज है। दिन में कम से कम 15 से 20 मिनट आप समय निकाल कर इस तरह की गेम खेलने की कोशिश करें।

2. मेडिटेशन

दिमाग को शांत करने और उस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए मेडिटेशन एक अच्छा विकल्प है। मेडिटेशन करने से आपका दिमाग शांत रहता है, आप किसी भी काम में अपना मन लगा सकते हैं। अपनी डेली रूटीन में मेडिटेशन करने से आपका दिमाग पहले से ज्यादा अच्छी तरह से काम करने लगता है। उम्र बढ़ने के साथ जिन लोगों की सोचने की शक्ति कम होने लगी है, वो लोग रोजाना सुबह शांत मन से मेडिटेशन करने की कोशिश करें।

3. माई विजुअलाइज़ेशन

अक्सर आप ने भी किसी के द्वारा बताई जा रही किसी कहानी का अपने दिमाग में विजुअलाइजेशन किया होगा। ये विजुअलाइजेशन आप अपने दिमाग के कारण कर सकते हैं। अगर आपको अपने सोचने की शक्ति बढ़ानी है, तो कोशिश करें की आप चीजों को अपने दिमाग में ज्यादा से ज्यादा विजुअलाइज करें। किताबें पढ़ते समय उन चीजों की एक छवि अपने दिमाग में बनाने की कोशिश करें। माइंड को तेज करने में विजुअलाइजेशन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

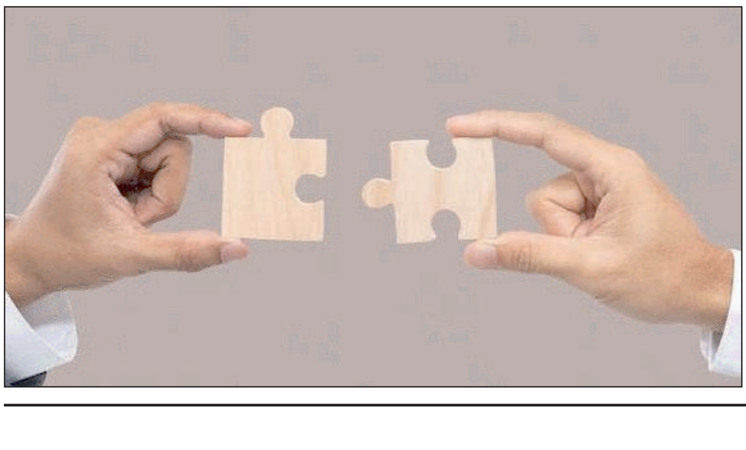

10 देशों में रहने वाले इंडियंस को मिलेगी यूपीआई पेमेंट सुविधा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , भारत जल्दी ही यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को ग्लोबली बनाएगा। यह पहल फिलहाल दस देशों के लिए की जा रही है। ऐसा होता है तो इन देशों में रहने वाले भारतीय अपने इंटरनेशनल मोबाइल नंबर का उपयोग कर यूपीआई से पेमेंट कर सकेंगे। यही नहीं, इन दस देशों के एनआरआई यानी प्रवासी भारतीय अपने भारत के फोन नंबर पर डिपेंड हुए बिना भी ट्रांजेक्शन के लिए यूपीआई सर्विस का उपयोग कर सकते हैं।

जिन देशों में यह पहल की जा रही है, उनमें सिंगापुर, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा, हांगकांग, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर वाले एनआरआई/एनआरओ जैसे अकाउंट यूपीआई का इस्तेमाल कर लेनदेन कर सकते हैं। पेमेंट्स कॉरपोरेशन ने पार्टनर बैंकों को निर्देश जारी किया कर इसका पालन करने के लिए 30 अप्रैल तक का वक्त दिया है।

एनआरआई और एनआरओ अकाउंट होल्डर्स कर सकेंगे ट्रांजेक्शन

एक एनआरआई अकाउंट प्रवासी भारतीयों को विदेशी कमाई को भारत में ट्रांसफर करने में मदद करता है। वहीं, एक एनआरओ अकाउंट उन्हें भारत में अर्जित आय को मैनेज करने में मदद करता है। हालांकि, इसके लिए एक शर्त भी रखी गई है और वो ये कि बैंकों को सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे खातों को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के नियमों के अनुसार अनुमति देनी होगी। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से इस बारे में जारी गाइडलाइंस फॉलो करनी होगी तथा मनी लॉन्ड्रिंग या आतंकी वित्तपोषण के खिलाफ सिक्योरिटी फॉलो करनी होगी।

धंस रहा है जोशीमठ, ISRO की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

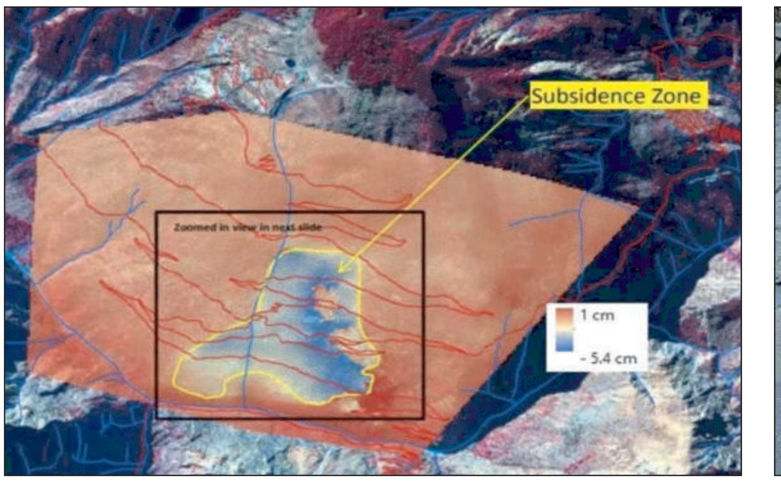

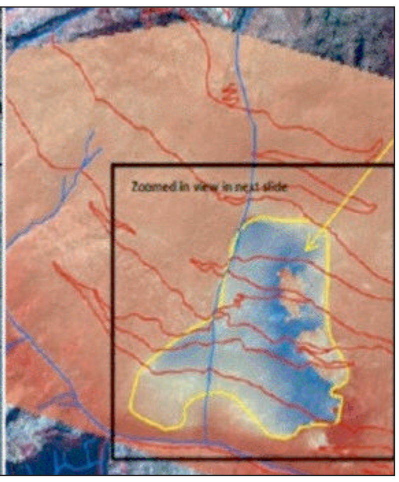

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , जोशीमठ की धरती तेजी से धंसती जा रही है और सड़क से लेकर घरों तक में दरारें पड़ रही हैं। जोशीमठ तबाह होने की ओर लगातार अग्रसर है। इसका खुलासा इसरो की सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है, जिससे भयावह संकेत मिल रहे हैं। सालों से बिगड़ रहे थे जोशीमठ शहर के हाल उत्तराखंड (Uttarakhand) के जोशीमठ (Joshimath) शहर के तबाही की खबर इस दिनों सभी जगह चर्चा का विषय बनी हुई है. दिन-प्रतिदिन यहाँ के हाल ख़राब हो रहे हैं और अभी तक पूरे शहर में मकानों और ऐतिहासिक स्थलों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी है. वहीं इस बीच जोशीमठ के बिगड़े हालात को लेकर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है.

हर साल धंस रहा है जोशीमठ शहर

जहां जोशीमठ में बिगड़े हालात को लेकर 47 साल पहले ही तत्कालीन गढ़वाल कमिश्नर महेश चंद मिश्रा की अध्यक्षता वाली कमेटी ने दे दी थी. वहीं इस बीच अब कहा जा रहा है कि जोशीमठ शहर और उसके आसपास का एरिया हर साल तेजी से नीचे की तरफ धंस रहा है. स्टडी के मुताबिक, यह एरिया हर साल 2.5 इंच जमीन के अंदर समा रहा है.... भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने जोशीमठ शहर की सैटेलाइट तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में बताया गया है कि जोशीमठ में कैसे धीरे-धीरे जमीन धंसने का सिलसिला जारी है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि जोशीमठ सिर्फ 12 दिनों में ही 5.4 सेंटीमीटर तक धंस गया।

बदल रहा था जोशीमठ का पहाड़ का नजारा

जोशीमठ और उसके आसपास के इलाके के पहाड़ो के अंदर का नजारा तेजी से बदल रहा है. इसका अंदाजा उन सैटेलाइट इमेज से लगता है, जो जुलाई 2020 से मार्च 2022 के दौरान क्लिक की गई हैं.

इन तस्वीरों में पूरा एरिया धीरे-धीरे अंदर धंसता दिखाई दे रहा है. बता दें, दो साल की यह स्टडी देहरादून स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग (Indian Institute of Remote Sensing) ने की है जिसमे जोशीमठ को लेकर ये बड़ा खुलासा हुआ है.सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि आर्मी हेलीपैड और नरसिंह मंदिर सहित सेंट्रल जोशीमठ में सबसिडेंस जोन स्थित है। सबसे ज्यादा धंसाव जोशीमठ-औली रोड के पास 2,180 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि बीते साल 2022 में अप्रैल और नवंबर के बीच जोशीमठ में 8.9 सेमी का धीमा धंसाव दर्ज किया गया।

सैटेलाइट सेंसिंग इमेज में हुआ खुलासा

इसी के साथ IIRS की इस स्टडी के दौरान क्लिक की गई सैटेलाइट सेंसिंग इमेज में जमीन के अंदर की टेक्टोनिक एक्टिविटीज भी रिकॉर्ड की गई हैं. इनसे साफ सामने आ रहा है कि जोशीमठ के भूगर्भ में बेहद संवेदनशील गतिविधियां चल रही हैं. वहीं इस स्टडी से सामने आया है कि जोशीमठ और उसके आसपास का एरिया हर साल 6.5 सेंटीमीटर या 2.5 इंच तक अंदर धंस रहा है. इस स्टडी में साफ दिख रहा है कि समस्या केवल जोशीमठ शहर तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह पूरी घाटी के पहाड़ के अंदर फैल चुकी है.

पटवारी-लेखपाल पेपर लीक मामले में आप सड़क पर उतरी, फूंका पुतला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जनवरी , लोक सेवा आयोग विभाग में पटवारी लेखपाल पेपर लीक मामले में आम आदमी पार्टी द्वारा देहरादून के लैंसडाउन चौक पर धरना एवं उग्र प्रदर्शन किया गया साथ ही राज्य सरकार का पुतला भी दहन किया गया । इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर आरपी रतूड़ी ने कहा की जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार की पोल खुल गई है और एक के बाद एक घोटाले सामने आ रहे हैं जिससे जनता में भाजपा के प्रति अविश्वास की भावना बढ़ रही है ।इस मौके पर आम आदमी पार्टी के गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने कहा की पुष्कर सिंह धामी धाकड़ धामी नहीं है यह बात इससे ही साबित हो जाती है कि पुष्कर सिंह धामी ने यूके एसएसएससी घोटाले के बाद यह कहा था की हम घोटाले बाजों के खिलाफ ऐसी नजीर बनाएंगे कि कोई भी घोटाला करने से पहले सोचेगा लेकिन इसके विपरीत यूकेएसएसएससी घोटाले के बाद पटवारी लेखपाल घोटाला सामने आ गया हैं। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने कहा कि दिन प्रतिदिन भाजपा सरकार के नए नए घोटाले सामने आ रहे हैं और लोक सेवा आयोग विभाग के अधिकारी द्वारा यह जो पेपर लीक घोटाले का मामला सामने आया है वह बहुत ही निंदनीय है और इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की है।

इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता विपिन खन्ना ने भी सरकार को घेरा एवं प्रदेश प्रवक्ता कमलेश रमन ने भाजपा को घेरते हुए सबसे घोटालेबाज पार्टी का नाम दिया पदाधिकारियों ने बताया किआम आदमी पार्टी द्वारा देहरादून के अतिरिक्त हरिद्वार लोक सेवा आयोग के दफ्तर पर एवं सभी जिलों में इस प्रकार के प्रदर्शन किए गए ।इस मौके पर प्रदेश सचिव नासिर खान ,युवा मोर्चा के अध्यक्ष नितिन जोशी, श्याम बाबू पांडे ,सुशील सैनी, विपिन नेगी, हरचरण सिह ,सीपी सिंह दीपक नीमरानियां ,सीमा कश्यप, सुशांत थापा ,गुलफाम मलिक ,नवीन चौहान आदि मौजूद रहे ।

रुड़की और देहात के कोचिंग सेंटर आए रडार पर, 31 अभ्यर्थियों को यहां कराया गया था पेपर हल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

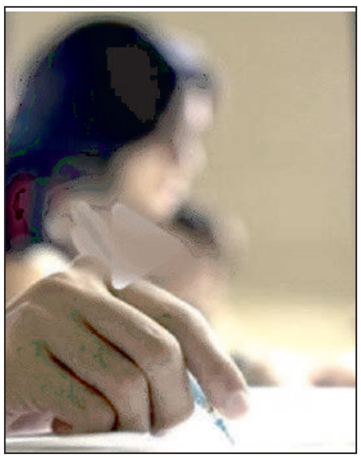

पटवारी पर्चा लीक मामले के तार रुड़की और देहात के कुछ कोचिंग सेंटरों से भी जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। आशंका को बल इसलिए भी मिल रहा है कि एसटीएफ ने रुड़की के पनियाला से भी एक युवक को भी शक के आधार पर हिरासत में लिया है। ऐसे में एसटीएफ और पुलिस की रडार पर कई कोचिंग सेंटर भी आ गए हैं।

सरकारी विभागों में होने वाली भर्तियों में नकल हो या पेपर लीक का मामला। इन सभी के तार रुड़की क्षेत्र से जरुर जुड़े मिलते हैं। अब एक बार फिर पटवारी पर्चा लीक मामले का खुलासा हुआ है तो रुड़की क्षेत्र फिर से चर्चाओं में आ गया है। एसटीएफ ने पटवारी पर्चा लीक मामले में बृहस्पतिवार को लक्सर के सेठपुर गांव निवासी एक युवक को भी गिरफ्तार किया है। जबकि रुड़की के पनियाला रोड निवासी एक युवक को भी शक के आधार पर हिरासत में लिया है।

एसटीएफ की टीम युवक को अपने साथ देहरादून ले गई है और उससे गहनता से पूछताछ कर रही है। रुड़की के युवक को हिरासत और लक्सर के व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद शक के घेरे में विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कई कोचिंग सेंटर भी आ गए हैं।

आशंका जताई जा रही है कि कहीं न कहीं पर्चा लीक मामले के तार रुड़की और देहात के कुछ कोचिंग सेंटरों भी जुड़े हैं। आशंका यह भी जताई जा रही है कि कुछ कोचिंग सेंटर संचालक गिरफ्तार आरोपियों से संपर्क में थे। संचालकों ने अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर पर्चा उपलब्ध कराया होगा। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को लेकर कोचिंग सेंटरों की जांच की जा रही है। पनियाला के युवक और लक्सर निवासी व्यक्ति के संपर्क में कौन-कौन लोग थे, इसकी भी बारीकी से जांच चल रही है।

020 में वन आरक्षी भर्ती नकल का हुआ था खुलासा

वन विभाग में फॉरेस्ट गार्ड (वन आरक्षी) की 2020 में हुई भर्ती परीक्षा में भी संगठित तरीके से नकल कराई गई थी। रुड़की के एक कोचिंग सेंटर संचालक ने कुछ अभ्यर्थियों को डिवाइस देकर पेपर देने के लिए भेजा था। बाहर से कोचिंग सेंटर से जुड़े लोगों ने अभ्यर्थियों को सवालों के जवाब बताए थे। इस मामले में एसटीएफ ने रुड़की और पौड़ी में मुकदमे दर्ज कराए थे। जांच में पता चला था कि अभ्यर्थियों से पांच से आठ लाख रुपये तक लिए गए थे।

एसटीएफ की जांच में अब तक 36 अभ्यर्थियों को पेपर हल कराए जाने की बात सामने आई है। इनमें से पांच अभ्यर्थियों को रामकुमार ने अपने रिश्तेदार के घर लक्सर में पेपर हल कराया। जबकि, 31 अभ्यर्थियों को बिहारीगढ़ के शिवालिक ब्रिक्स नाम के फार्म हाउस ले जाया गया था। सभी अभ्यर्थियों को यहां छह जनवरी की शाम को ले जाया गया। इसके बाद सात जनवरी शाम को सभी अपने-अपने वाहनों से घर चले गए। अगले दिन सभी अपने-अपने सेंटरों पर पेपर देने चले गए। एसटीएफ के अनुसार अन्य अभ्यर्थियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। हो सकता है कि इसमें और भी अभ्यर्थी शामिल हों।

शख्सियत : ईसाई बाबा बुल्के कैसे बने हिंदुस्तानी राम भक्त ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , उनका नाम था कामिल बुल्के , एक सितंबर 1909 को उनका जन्म हुआ था। वह बेल्जियम से भारत आये एक मिशनरी थे। वह पादरी थे और भारत ईसाई धर्म का प्रचार करने आए थे लेकिन यहां की शैली ने उनकी राम और तुलसी में आस्था जगा दी। जब वह भारत आए,तो हिंदी, तुलसी और वाल्मीकि के भक्त रहे। वे कहते थे कि संस्कृत महारानी है, हिन्दी बहूरानी और अंग्रेजी को नौकरानी। इन्हें साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा सन 1974 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

राम के बारे में फादर कामिल बुल्के ने लिखा कि वो वाल्मीकि के कल्पित पात्र नहीं बल्कि एक इतिहास पुरुष थे। उन्होंने बेल्जियम से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी, फिर वो ईसाई पादरी बने।

बुल्के 1934 में भारत की ओर निकले और नवंबर 1936 में भारत, बंबई (अब मुंबई) पहुंचे। इसके बाद वह दार्जिलिंग गए और उसके बाद गुमला (वर्तमान झारखंड)। गुमला में पांच साल तक गणित पढ़ाया। वहीं पर हिंदी, ब्रजभाषा व अवधी सीखी। 1938 में, सीतागढ़/हजारीबाग में पंडित बद्री दत्त शास्त्री से हिंदी और संस्कृत सीखी। भारत की शास्त्रीय भाषा में इनकी रुचि के कारण उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय (1942-44) से संस्कृत में मास्टर डिग्री और आखिर में इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1945-49) में हिंदी साहित्य में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, इस शोध का शीर्षक था राम कथा की उत्पत्ति और विकास ।

1950 में वह जब रांची आए तो उन्हें संेट जेवियर्स महाविद्यालय में हिंदी व संस्कृत का विभागाध्यक्ष बनाया गया। इसी साल उन्हें भारत की नागरिकता भी मिली और इसी वर्ष वे बिहार राष्ट्रभाषा परिषद की कार्यकारिणी के सदस्य नियुक्त हुये। 1972 से 1977 तक वह भारत सरकार की केंद्रीय हिंदी समिति के सदस्य बने रहे और वर्ष 1973 में इन्हें बेल्जियम की रॉयल अकादमी का सदस्य बनाया गया। 17 अगस्त 1982 को दिल्ली के एम्स में उनका निधन हुआ।

साइबर क्राइम : ऐप डाउनलोड कर रहे हैं तो सावधान !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , आपके अपने मोबाइल गैलरी में रखी फोटो अब कभी भी आपके लिए खतरे की घंटी बजा सकती है। ये बात सही है कि आपने अपने कैमरे को लॉक किया हुआ है। उसमें स्ट्रांग पासवर्ड भी डाला है, लेकिन इन साइबर क्रिमिनल्स को इन सब चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ता। दिल्ली एनसीआर में काम कर रहा है साइबर लुटेरों का ये गैंग एप डाउनलोडिंग के नाम पर आपके मोबाइल में रखी फोटो और दूसरे डाटा पर कब्जा कर रहा है और आप खुद ही अंजाने में इन्हें ये करने की परमिशन भी दे रहे हैं। अभी दो दिन पहले ही उत्तराखंड पुलिस ने बड़े साइबर गैंग का खुलासा करते हुए फ़र्ज़ी लोन एप की आड़ में लूटकांड करने वाले जिस गिरोह का खुलासा किया है उनके भी तार चाइना से जुड़े बताये गए हैं ऐसे में न्यूज़ वायरस आपको भी सचेत कर रहा है कि किसी तरह की नादानी आपको भारी पड़ सकती है। आपने शायद ध्यान दिया हो तो जब भी आप अपने मोबाइल में कोई भी ऐप डाउनलोड करते हैं तो आपके पास रिक्वेस्ट आती है। वो रिक्वेस्ट होती है कि इस कंपनी को आपके मोबाइल में रखे डाटा तक पहुंचने का अधिकार होगा। आप उस ऐप को डाउनलोड ही तब कर सकते हैं जब आप आपको ओके के बटन को दबा देंगे। यानी आप उस ऐप को परमिशन दे देते हैं आपके मोबाइल में रखे पूरे डाटा को इस्तेमाल करने की। अब आपके मोबाइल में ऐप डाउनलोड तो हो गया, लेकिन साइबर ठगों को मौका

मिला गया आपके डाटा तक पहुंचने का। आपके मोबाइल में रखी फोटो भी अब उनके कब्जे में हैं।

लोन ऐप पर हो रहा है फर्जीवाड़ा :

मध्य प्रदेश के एक शख्स के साथ बिल्कुल ऐसा ही हुआ। जिस शख्स को लोन की जरुरत थी उसने अपने मोबाइल के प्ले स्टोर से क्लाउड नाम का एक लोन ऐप डाउनलोड किया। डाउनलोडिंग के समय ऐप कंपनी ने उससे कॉलिंग लिस्ट, फोटो गैलरी और मैसेज तक पहुंचने की परमिशन मांगी। पीड़ित ने ओके बटन दबाया और ऐप डाउनलोड हो गया। ऐप के ही माध्यम से उसने 32 हजार रुपये का लोन लिया। अब तक सब कुछ ठीक था, लेकिन कुछ दिनों बाद ही कुछ लोगों का उसके पास फोन आया वो लोग पैसे की मांग करने लगे। ये साइबर क्रिमिनल्स का फोन था। पीड़ित के मोबाइल में रखी सारी फोटो इनके पास थीं और इन लोगों ने उन फोटो को एडिट करके उसको ब्लैकमेल करना शुरू किया। इतना ही नहीं इन क्रिमिनल्स ने उन अश्लील फोटो को फोन में सेव सभी नंबरों पर भी भेज दिया। ये क्रिमिनल्स उन कॉन्टेक्ट नंबर पर फोन करके अश्लील बातें करने लगे।

चीन में है इस कंपनी का सर्वर :

इस शिकायत के बाद इंदौर की क्राइम ब्रांच टीम ने जांच शुरू की और फिर इसके तार जुड़े मिले दिल्ली और एनसीआर में काम कर रही एक लोन ऐप कंपनी से । दिल्ली एनसीआर में कुछ लोग एक कंपनी बनाकर लोगों के साथ साइबर ठगी का काम कर रहे थे। इस कंपनी का सर्वर चाइना में था। ये लोग लोन ऐप बनाकर लोगों को ठग रहे थे। जो लोग ऐप डाउनलोड करते उनका सारा डाटा चाइना में इस कंपनी के सर्वर तक पहुंचता। सर्वर के जरिए चीन से वो फोटो वापस इन लोगों के पास आती जो यहां बैठकर चाइना की इस कंपनी के लिए काम कर रहे थे। इसके बाद शुरू होता ब्लैकमेलिंग का धंधा। फोटो को एडिटिंग की मदद से अश्लील बनाया जाता और फिर उस शख्स को धमकी दी जाती और पैसे की मांग की जाती। फिलहाल पुलिस ने गुरुग्राम के रहने वाले राजकमल कुमार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में ही पता चला कि इस गैंग के कई और लोग यहां दिल्ली-एनसीआर में काम कर रहे हैं। पुलिस इस गैंग के दूसरे लोगों को तलाशने में जुटी हुई है। आप से भी कहनी ऐसी ठगी न हो जाए लिहाजा एहतियात बरतते हुए ही अपने फ़ोन का इस्तेमाल करें।

सात चूल्हे में बनता है 72 सदस्य वाला सबसे बड़े परिवार का खाना

न्यूज वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , जनवरी बड़े परिवार आजकल बहुत कम देखने को मिलते हैं। ४-५ लोगों के परिवार में आजकल हम झगड़े और बहस देखते हैं। क्योंकि आजकल कोई भी हल्के में नहीं लेना चाहता। लेकिन हमारे महाराष्ट्र में खासकर गांवों में आज भी परिवार एक साथ नजर आते हैं। आज हम एक ऐसे ही परिवार के बारे में जानकारी देखने जा रहे हैं,जहां बड़े प्यार के साथ एक ही छत के नीचे १ या ४ नहीं बल्कि ७२ लोग रहते हैं।

भारत अपनी परंपराओं और संस्कृति के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। ऐसी कई चीजें हैं,जो भारत की सुंदरता का वर्णन करती हैं और उनमें से एक भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली है। दुनिया भर के कई देशों में संयुक्त परिवार का चलन देखा गया है, लेकिन भारत लंबे समय से इस परंपरा का पालन करता आ रहा है। ऐसा ही एक परिवार इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जहां एक ही छत के नीचे ७२ सदस्य रहते हैं। यह महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में है।

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले का यह परिवार चर्चा में आ गया है। इस संयुक्त परिवार में ७२ सदस्य एक ही छत के नीचे खुशी-खुशी रहते हैं। डोइजोड परिवार में एक दिन की ,सब्जियों की कीमत १,००० से १,२०० रुपये प्रति दिन है। तो एक बार में १० लीटर दूध का उपयोग हो जाता है। मूल रूप से कर्नाटक का रहने वाला डोइजोड परिवार करीब १०० साल पहले सोलापुर में आया था। इस कारोबारी परिवार की चार पीढ़ियां एक साथ एक घर में रहती हैं। परिवार की महिला सदस्यों का कहना है,कि शुरू में उन्हें परिवार के सदस्यों की संख्या को लेकर डर लगता था। लेकिन अब वे अच्छी तरह से अभ्यस्त हो गए हैं।

घर की महिलाएं खाना बनाने के लिए छह से सात चूल्हे का इस्तेमाल करती हैं। सब मिलकर खाना बनाते हैं। परिवार की

महिला सदस्यों का कहना है,कि शुरू में उन्हें परिवार के सदस्यों की संख्या को लेकर डर लगता था। लेकिन अब उन्हें इसकी आदत हो गई है और यह उनके जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह विशाल परिवार जिस घर में रहता है, उसका बिजली बिल प्रति माह करीब ४०-५० हजार रुपये आता है। साथ ही वे एक गैस सिलेंडर केवल -४ दिन ही चलते हैं।

बनेगा नकल विरोधी कानून तोड़ने वाले को मिलेगी उम्र कैद, कैबिनेट में फैसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जीरो टॉलरेंस आन करप्शन की नीति और नकल माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के निर्देश के क्रम में एक और बड़ी कार्रवाई हुई है। राज्य कैबिनेट द्वारा प्रदेश में भर्तियों में भ्रष्टाचार रोकने के लिये प्रदेश में शीघ्र सख्त नकल विरोधी कानून बनाये जाने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कानून को इतना सख्त बनाया जायेगा कि भविष्य में कोई इस बारे में सोचे भी नहीं। सख्त नकल विरोधी कानून में दोषी का उम्र कैद की सजा का प्राविधान तो होगा ही उसके द्वारा अर्जित संपत्ति को जब्त किये जाने का भी व्यवस्था रहेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लगातार जीरो टॉलरेंस ऑन करप्शन की नीति से कोई समझौता न करने की बात कही है। उन्होंने कहा है भर्ती प्रक्रिया में यदि कोई अनियमितता है तो इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। अपने प्रदेश के ईमानदार और परिश्रमी युवाओं के साथ हमारी सरकार अन्याय नहीं होने देगी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी की जांच करने वाली एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। उत्तराखंड के युवा का हक मारने वाले किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा। सरकार ये सुनिश्चित कर रही है कि भविष्य की सभी भर्ती परीक्षाएँ स्वच्छ और पारदर्शी हो। अब भविष्य में कोई इन परीक्षाओं में गड़बड़ी करने की हिम्मत न कर सके। नकल विरोधी कानून के प्रविधानों से यह व्यवस्था बन जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं का मनोबल बनाये रखने के लिये राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से शीघ्र परीक्षाएं कराकर युवाओं को नौकरी देना सरकार की पहली प्राथमिकता है। युवा बेरोजगारों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धी माहौल देने के लिये सरकार कृत संकल्पित है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अब यह भी व्यवस्था बनायी गई है कि लोक सेवा आयोग एवं अधीनस्थ चयन सेवा आयोग द्वारा भविष्य में आयोजित होने वाली परीक्षाओं में अभि सूचना इकाई को भी सक्रिय किया जायेगा, ताकि इन परीक्षाओं की कड़ी निगरानी हो सके। उन्होंने कहा कि नकल माफियाओं के लगातार सक्रिय रूप से तैनात होने तथा परीक्षा पेपर को लीक आउट कराये जाने से परीक्षा देने वाले अन्य अभ्यर्थी, जो दिन-रात मेहनत करते हैं, उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इन्ही तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अब निर्णय लिया गया है कि उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार तथा उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, देहरादून द्वारा भविष्य में आयोजित होने वाली परीक्षाओं से पूर्व अभिसूचना इकाई को सक्रियता से तैनात किया जाय, ताकि ऐसी पुनरावृत्ति न हों पाये।

स्कूली बच्चों, वाहन चालकों व आम जनता को एसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने बताये सेफ्टी टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 13 जनवरी , 33 वें सड़क सुरक्षा सप्ताह के परिपेक्ष्य में जनपद में आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं जनजागरुकता कार्यक्रम का असर चमोली में भी दिखाई दे रहा है। यहाँ पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल के नेतृत्व में जनपद पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी प्रदान करने तथा आमजनमानस को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु विभिन्न जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में जनपद पुलिस द्वारा स्कूली बच्चों,वाहन चालकों व आम जनता को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी देते हुए यातायात के नियमों का पालन करने, शराब पीकर गाड़ी ना चलाने, बिना हेल्मेट के गाड़ी ना चलाने,ओवर स्पीडिंग ना करने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी ना चलाने, दुपहिया वाहन पर हेल्मेट पहनने, चौपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रुप से सीट बेल्ट पहनने इत्यादि विषयों पर जागरुक किया गया।

सर्दियों में बच्चों का रखें ऐसे खास ख्याल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जनवरी। सर्दियों में बच्चों की खास देखभाल करना बेहद जरूरी होता है. खासकर नवजात शिशुओं को ठंड से सुरक्षित रखने के लिए गर्म कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है. मगर क्या आप जानते हैं कि सर्दी के मौसम में बच्चों के कपड़ों को खुला छोड़ना भी काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में अगर आप चाहें तो कुछ आसान ट्रिक्स की मदद से सर्दियों में बच्चों के कपड़ों को सेफ रख सकते हैं.

सर्दी के मौसम में पेरेंट्स अक्सर बच्चों के कपड़ों में धूप और हवा लगने के लिए इन्हें खुला छोड़ देते हैं. मगर इससे बच्चों के कपड़ों में जर्म्स और बैक्टीरिया आ जाते हैं. जिन्हें पहनने के बाद बच्चों को स्किन एलर्जी और इंफेक्शन होने का भी डर सर्दियों में बच्चों के सॉक्स, शूज और ग्लव्स जैसे छोटे-छोटे कपड़े अक्सर खो जाते हैं. जिन्हें ढूंढने में आपको काफी समय लगता है. ऐसे में आप बच्चों के कपड़ों को अलग कम्पार्टमेंट में स्टोर कर सकते हैं. इससे बच्चों के कपड़े घर में इधर-उधर नहीं फैलेंगे और आपको कपड़े खोजने में ज्यादा परेशानी भी नहीं होगी.सर्दियों में बच्चों के कपड़े रखने के लिए आप किसी प्लास्टिक के कंटेनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. प्लास्टिक कंटेनर से आप बच्चों का पर्सनल वॉर्डरोब तैयार कर सकते हैं. इससे बच्चों के कपड़े एक जगह सुरक्षित रहेंगे.

बच्चों के कपड़े गंदे होने पर पेरेंट्स अक्सर कपड़ों को फर्श पर धोने के लिए फेंक देते हैं. मगर इससे बच्चों के कपड़ों में बैक्टीरिया फैलने का डर रहता है. ऐसे में बच्चों के गंदे कपड़े स्टोर करने के लिए मैश बैग्स का इस्तेमाल बेस्ट रहता है. इससे बच्चों के कपड़े एक जगह एकत्रित रहते हैं और धोते समय आप इन कपड़ों को मैश बैग से निकालकर वॉशिंग मशीन में डाल सकते हैं.छोटे बच्चों के कपड़े धोने के बाद लोग अक्सर इन्हें कहीं भी सूखने के लिए डाल देते हैं. मगर इससे बच्चों के कपड़े खोने या बैक्टीरिया युक्त होने की संभावना रहती है. इसलिए बच्चों के कपड़ों को क्लिप लगाकर हैंगर में सुखाएं और सूखने के बाद इन्हें प्लास्टिक कंटेनर में तह करके रख दें.

आईएफएस अधिकारियों की पत्नियों की कस्तूरी संस्था ने गरीब और असहाय लोगों की मदद कर मनाया लोहड़ी पर्व

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जनवरी , को कस्तूरी संस्था भारतीय वन सेवा की अधिकारियों की पत्नियों द्वारा लोहड़ी का पावन त्योहार देहरादून शहर में मालिन बस्तियों, खुले आसमान के नीचे रह रहे लोगों को कंबल तथा गजक रेवड़ी वितरित कर मनाया।

कस्तूरी का उद्देश्य है कि गरीब और असहाय लोगों की मदद करने के हर सम्भव उपाय करें। इस सोच को अमल करते हुए कस्तूरी ने रात को लगभग 100 कंबल शहर में विभिन्न शरणार्थी को बांटा।

शर्मिला भरतरी , नीना ग्रेवाल, शिवानी पटनायक, षिम्ना मनोज, स्निग्धा पात्रो, गीता सिंह स्नेहा मानसिंह ,एवं सुजाना रसाईली द्वारा इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

जोशीमठ मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मिली पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में पूर्व केंद्रीय मंत्री व मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भेंट की। इस दौरान उन्होंने जोशीमठ के भू-धंसाव क्षेत्र में प्रभावित परिवारों हेतु सरकार द्वारा की जा रही विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जोशीमठ के भू-धंसाव क्षेत्र में प्रभावित परिवारों को अंतरिम पैकेज दिया जा रहा है। अंतरिम पैकेज एवं पुनर्वास की दर निर्धारण करने के लिए कमेटी गठित की गई है व प्रभावितों के हितों का पूरा ध्यान रखते हुए मुआवजा दिया जाएगा।

पौड़ी पुलिस ने एनसीसी कैडेटों को ट्रेंड किया सड़क दुर्घटना में फर्स्ट एड की दी ट्रेनिंग

एसएसपी श्वेता चौबे की पहल पर कामयाब रहा सड़क सुरक्षा कार्यक्रम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 13 जनवरी , वर्तमान समय में वाहन चालकों द्वारा लापरवाही, ओवर स्पीड़, ओवर टेक एवं शराब पीकर वाहन चलाने आदि के कारण बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं से कई बार घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार समय से न मिलने के कारण मौके पर ही मृत्यु हो जाती है। जिस कारण आमजनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे के निर्देशन में सड़क सुरक्षा सुरक्षा के तृतीय दिवस के अवसर पर जनपद पुलिस ने जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम किये।

यातायात निरीक्षक शिव कुमार एवं एसडीआरएफ टीम कोटद्वार द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज कोटद्वार में एनसीसी कैडेटों को सड़क दुर्घटना में प्राथमिक उपचार के दौरान क्या करें क्या न करें? वैकल्पिक स्ट्रेचर बनाना, विक्टिम मूविंग एंड लिफ्टिंग, स्पलिंट बांधना, रक्तस्राव रोकने के तरीके, सी.पी.आर, रोप रेस्क्यू आदि के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। साथ ही पुलिस द्वारा एनसीसी कैडेटों को यातायात पुलिस कार्टून जागरूकता बुक भी वितरित की गयी। साथ ही मंजरी नेगी, निरीक्षक एसडीआरएफ मय टीम द्वारा कोतवाली श्रीनगर परिसर में पुलिस कर्मियों एवं होमगार्ड जवानों को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की तत्काल सहायता करने के लिये राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, रेस्क्यू उपकरणों आदि के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी।

इसी क्रम में यातायात सप्ताह के तहत प्रेमलाट टम्टा, पुलिस उपाधीक्षक सदर पौड़ी द्वारा आपदा एवं सड़क दुर्घटना घटित होने पर आपातकालीन वाहनों (एम्बुलेन्स, फायर सर्विस आदि) की रूट मूमेंट की मॉक ड्रिल करवायी गयी। मॉक ड्रिल के दौरान आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देने वाले एवं नो पार्किंग में अपने वाहनों को खड़ा करने वाले 35 वाहन चालकों के विरूद्ध नियमानुसार मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत चालानी कार्यवाही कर वाहन चालकों के डीएल निरस्तीकरण हेतु परिवहन विभाग पौड़ी को प्रेषित किये गये।

देश में नहीं बिकेंगे नकली खिलौने, केंद्र सरकार सख्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , केंद्र सरकार नकली खिलौने बेचने वालों के खिलाफ सख्ती के मूड में है। देश में अब बिना BIS (भारतीय मानक ब्यूरो) गुणवत्ता चिह्न वाले खिलौने नहीं बिकेंगे। इसके संबंध में तीन प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील को भी नोटिस जारी किया है। सरकार ने कहा कि पिछले एक महीने में हेमलीज व आर्चीज जैसे चर्चित ब्रांड्स समेत प्रमुख खुदरा स्टोरों से 18,600 के खिलौने जब्त किए गए हैं। यह कार्रवाई देशभर के हवाई अड्डों और मॉलों में मौजूद स्टोर्स में बीआईएस गुणवत्ता चिह्न की कमी और नकली लाइसेंस के उपयोग के कारण की गई है।

कई आउटलेट पर छापेमारी

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के डीजी प्रमोद कुमार का कहना है कि बिना BIS स्टैंडर्ड वाले खिलौनों की बिक्री का पता लगाने के लिए 44 पॉपुलर टॉय आउटलेट पर तलाशी अभियान चलाया है। BIS अधिकारी के अनुसार जिन आउटलेट पर छापेमारी की गई उनमें पॉपुलर टॉय ब्रांड हेमलेज के दिल्ली एयरपोर्ट, रांची, चंडीगढ़ और कोलकाता के कई आउटलेट शामिल हैं।

18,600 खिलौने जब्त

बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा कि हमें खिलौनों की बिक्री के घरेलू निर्माताओं से शिकायतें मिली हैं जो बीआईएस मानक के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमने पिछले एक महीने में 44 छापे मारे और प्रमुख खुदरा स्टोरों से 18,600 खिलौने जब्त किए। उन्होंने कहा कि देश भर के प्रमुख हवाई अड्डों और मॉल में स्थित हैमलीज़, आर्चीज़, डब्ल्यूएच स्मिथ, किड्स ज़ोन और कोकोकार्ट सहित खुदरा स्टोरों पर छापे मारे गए।उपभोक्ता संरक्षण नियामक सीसीपीए ने खिलौनों की गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के कथित उल्लंघन के लिए तीन प्रमुख ई-कॉमर्स खिलाड़ियों- अमेजन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील को भी नोटिस जारी किया है। ई-कॉमर्स कंपनियों को नॉन BIS स्टैंडर्ड वाले खिलौने नहीं बेचने का निर्देश दिए गए हैं।

संपादकीय

यूपीआइ पर जोर

देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और ऐसे लेन-देन को सस्ता करने के प्रयास के क्रम में केंद्र सरकार ने बैंकों के लिए एक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है. वर्तमान वित्त वर्ष 2022-23 के लिए केंद्रीय कैबिनेट द्वारा स्वीकृत 2,600 करोड़ रुपये की इस प्रोत्साहन योजना में रुपे डेबिट/क्रेडिट कार्ड को अपनाने और यूपीआइ लेन-देन को बढ़ाने वाले बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को वित्तीय सहयोग देने का प्रावधान है. हमारे देश में डिजिटल भुगतान की नोडल संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने भारत सरकार से ऐसी योजना लाने का अनुरोध किया था. उल्लेखनीय है कि पिछले साल बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी घोषणा की थी कि सरकार डिजिटल लेन-देन को वित्तीय सहायता देना जारी रखेगी. हालांकि अभी भी नगदी का चलन और उसकी मांग बहुत अधिक है, लेकिन कुछ वर्षों में डिजिटल लेन-देन में बड़ी तेजी आयी है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बीते दिसंबर माह में यूपीआइ के जरिये 782.9 करोड़ डिजिटल लेन-देन हुए हैं, जिनमें 12.82 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किये गये. वर्ष 2020-21 में 5,554 करोड़ ऐसे लेन-देन हुए थे, जबकि 2021-22 में इनकी तादाद 8,840 करोड़ हो गयी. यह 59 फीसदी की बड़ी छलांग थी. भीम-यूपीआइ के जरिये होने वाले लेन-देन में 2020-21 से 2021-22 में 106 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई थी. मार्च, 2012 में शुरु हुई रुपे भुगतान प्रणाली भारत की अपनी प्रणाली है. जुलाई, 2014 में इसके कार्ड जारी हुए थे. आज 60 करोड़ से अधिक रुपे कार्ड इस्तेमाल में हैं. यूपीआइ भी स्वदेशी प्रणाली है. डिजिटल लेन-देन के क्षेत्र में बड़ी पहल करते हुए रिजर्व बैंक ने हाल ही में आई रुपी डिजिटल करेंसी की शुरुआत की है. बीते एक दिसंबर को प्रारंभ हुई खुदरा लेन-देन में इसके इस्तेमाल की पायलट योजना में मुंबई स्थित इस केंद्रीय बैंक के कार्यालय के पास फल बेचने वाले बच्चे लाल साहनी को भी शामिल किया गया है. लगभग 25 साल पहले बिहार के वैशाली जिले से मुंबई आये साहनी को इस योजना को हिस्सा बनाया जाना यह इंगित करता है कि डिजिटल लेन-देन के हर पहलू को आम भारतीय के हिसाब से तैयार किया जा रहा है. अब दस देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीय भी यूपीआइ का इस्तेमाल कर सकते हैं. देश में स्मार्ट फोन और कंप्यूटर का उपयोग बढ़ने तथा इंटरनेट के तीव्र प्रसार से डिजिटल तकनीक आबादी के बड़े हिस्से के लिए आवश्यक होती जा रही है. यूपीआइ प्रणाली ने देश में डिजिटलीकरण प्रक्रिया में उल्लेखनीय योगदान दिया है.

पेट्रोलियम और एनर्जी स्टडीज विश्वविद्यालय ने सीएम रिलीफ फण्ड में दिए 5 लाख

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पेट्रोलियम और एनर्जी स्टडीज विश्वविद्यालय (UPES) के चांसलर डॉ. सुनील राय ने भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने जोशीमठ में भूधंसाव से प्रभावितों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु 5 लाख रुपए का चेक मुख्यमंत्री को सौंपा। इस अवसर पर वी.सी डॉ. राम शर्मा भी उपस्थित थे।

पहली बर्फबारी से ढकी नैनीताल की वादियां, बर्फ की फुहारें देख खिले सैलानियों के चेहरे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल। उत्तराखंड में आए मौसम के बदलाव से ऊंची वादियों में रुक-रुक कर बर्फबारी का दौर जारी है। बुधवार रात केदारनाथ धाम में भी हिमपात हुआ। इसी क्रम में शुक्रवार को सरोवर नगरी की ऊंची चायनापीक की चोटी पर मौसम का पहला व हल्का हिमपात हो गया। जबकि नगर क्षेत्र में बर्फ के फुहारों के साथ ओले गिरे। शुक्रवार सुबह के समय हिमपात से सैलानियों के चेहरे खिल उठे।

चायनापीक समेत किलबरी व छाया वाले क्षेत्र में बर्फ की चादर सी बिछ गई। नगर के निचले क्षेत्र में ओले गिरने से प्रतीत होने लगा कि अब हिमपात भी देखने को मिलेगा, लेकिन बर्फबारी का यह मिजाज अधिक समय बना नहीं रह सका और हिमपात थम गया और तापमान अधिक होने के कारण बर्फ जल्द ही पिघल गई। जिस कारण सैलानियों का खुशी कुछ ही देर में सिमट गई। मौसम ने पुनः करवट बदली और मौसम भी साफ हो गया। धूप निकल आई और कुछ ही देर में बर्फ भी पिघल गई। इसके बाद धूप-छांव का खेल शुरू हो गया। मौसम में आए बदलाव से बेतहाशा ठंड पड़नी शुरू हो गई है। ठंड से राहत पाने के लिए लोगों को हीटर व आग का सहारा लेना पढ़ रहा है।

चकराता के लोखंडी में पड़ी सीजन की पहली बर्फबारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड समेत समूचा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। हिमालयी क्षेत्रों में हिमपात के बाद निचले इलाकों में कंपकंपी बढ़ गई है। हालांकि, अभी सर्दी और कड़ी परीक्षा ले सकती है।

वहीं गुरुवार रात देहरादून के चकराता क्षेत्र के लोखंडी में सीजन की पहली बर्फबारी होने से लोगों के चेहरे खिल उठे। जबकि पछवा दून में हल्की बारिश होने से किसानों ने राहत महसूस की। लंबे समय से किसान सूखी ठंड पड़ने से परेशान थे। गुरुवार रात में मौसम का मिजाज बदला और चकराता क्षेत्र में बर्फबारी शुरू हो गई। सुबह जब लोग नींद से जागे चारों तरफ बर्फ से ढकी पहाड़ियां देखकर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। देहरादून और मसूरी में सुबह हल्की बूंदाबांदी के बाद धूप निकल आई। पौड़ी में हल्की बूदाबांदी के बीच बादल छाए रहे। रुद्रप्रयाग में बादल छाए रहे। कोटद्वार धूप खिली रही।

चमोली की ऊंची चोटियों पर गुरुवार रात बर्फबारी के बाद शुक्रवार की सुबह मौसम साफ बना रहा और धूप खिली रही। उत्तरकाशी में गंगोत्री और यमुनोत्री सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में देर रात को हल्की बर्फबारी हुई। जबकि वर्तमान में जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में हल्के बादल छाए हुए हैं। वहीं नैनीताल में बारिश हुई और हिमकड गिरे।

मौसम विज्ञान केंद्र ने आगामी 14 से 19 जनवरी के बीच उत्तराखंड समेत आसपास के राज्यों में कड़ाके की ठंड को लेकर अलर्ट जारी किया है। इस दौरान मैदानी क्षेत्रों में घना कोहरा छाये रहने और सर्द हवाएं चलने से कंपकंपी बढ़ सकती है। ज्यादातर मैदानी क्षेत्रों में शीत दिवस की स्थिति बनने को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी
कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित।
फ़ोन : 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406
E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com
YouTube : TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

एमटीवी फेम मशहूर मॉडल रावी और पॉप सिंगर मानव के लोहड़ी उत्सव में जमकर झूमे लोग

मानव के गीतों ने समां बांधा तो रावी की एंकरिंग और भांगड़ा आकर्षण का केंद्र रहा

महविश/फिरोज़
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,13 जनवरी। लोहड़ी उत्सव मनाने के लिए आयोजन तो बहुत होते है लेकिन अगर लोहड़ी पर्व को यादगार बनाना हो तो आयोजकों में जोश,जुनून और जज़्बा ज़रूर चाहिए होता है और ये जज़्बा देहरादून में कई जगह अलग अलग अंदाज में देखने को मिला लेकिन सबसे जुदा अंदाज़ रहा एमटीवी फेम मशहूर मॉडल रावी और पॉपुलर सिंगर मानव के आयोजन का कैफे ग्रीक ऑर्किड के सहयोग से उनकी कंपनी अरावम टीमवर्क द्वारा आयोजित उनके कार्यक्रम में जहां सर्द रात में आग के घेरे के बीच सुहासी कुमार और सिमरन कुमार का शानदार भागड़ा देखने को मिला तो वही मानव की गायकी ने सबका मन मोह लिया, मानव ने एक के बाद एक सुंदर गीतों से समा बांधे रखा तो रावी की शानदार एंकरिंग के जादू से मेहमान बंधे रहे,रावी ने सुहासी और सिमरन की भांगड़ा टोली के साथ अपनी अदाओं का रंग बिखेर कर भांगड़े को और आकर्षित बना दिया,कई घंटे चले रंगारंग कार्यक्रम के साथ साथ मेहमानों ने कैफे ग्रीक आर्किड में भांगड़ा ग्रुप की शानदार प्रदर्शनी और अनलिमिटेड स्नैक्स और कई प्रकार व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया,लोहड़ी उत्सव में काफ़ी भीड़ रही

सुहासी और सिमरन की भांगड़ा जोड़ी के शानदार परफॉर्मेंस ने लोहड़ी उत्सव को बनाया यादगार

अरवम टीमवर्क्स के मानव और रावी का ये लोहड़ी उत्सव काफ़ी सफ़ल रहा,जिससे उत्साहित होकर मानव और रावी ने आने वाले दिनों में कुछ और महत्वपूर्ण आयोजनों के आयोजन करने की घोषणा की। मुख्य अतिथि के तौर पर न्यूज़ वायरस मीडिया समूह के सीईओ मोहम्मद सलीम सैफी ने रावी, मानव,सुहासी कुमार,सिमरन कुमार,अभिषेक भास्कर सहित परफॉर्मेंस देने वाले अन्य कलाकारों को भी सम्मानित किया और लोहड़ी उत्सव के इस सफल आयोजन पर मानव,रावी,कैफे ग्रीक आर्किड के जयंत,प्रियंका,शिवानी,अली और जगमोहन सहगल सहित सभी आयोजनकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी